

श्रम विभाग

आदेश

दिनांक 14 फरवरी, 1985

सं० ओ०वि०/अम्बाला/232-84/5365.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० इन्जीनियर एण्ड कन्सल्टेंट्स, 200, इन्डस्ट्रीयल एरिया, पंचकुला, (अम्बाला) के श्रमिकों तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाव लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूँकि हरियाणा के राज्यपाल, इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को, नीचे विनिर्दिष्ट मामले, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं, अथवा विवाद से सुसंगत या संबंधित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या अनुबन्ध “क” में दर्शाए गए श्रमिकों की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है; यदि नहीं, तो वे किस राहत के हकदार हैं ?

अनुबन्ध “क”

श्रमिकों के नाम

1. श्री राम जीत
2. श्री गौरा प्रसाद
3. श्री राजपत
4. प्रभु नाथ
5. श्री खुशियाल
6. श्री श्याम जीत
7. श्री सदन कुमार
8. श्री प्रदीप कुमार
9. श्री गोरी शंकर
10. श्री मदन लाल
11. श्री राम निवास
12. श्री किशन लाल
13. श्री प्रशोतम
14. श्री सिरी राम
15. श्री देवा नन्द पाण्डे
16. श्री पारस नाथ
17. श्री दीप चन्द
18. श्री रामा नन्द ।

एम. सेठ,

वित्तायुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार,
श्रम तथा रोजगार विभाग ।